श्रेणी के हो जाते हैं।

The comm. bills are issued by traders for exchanging goods or money.

If any bank provides gurantee on them, then, they become first-category comm. bills.

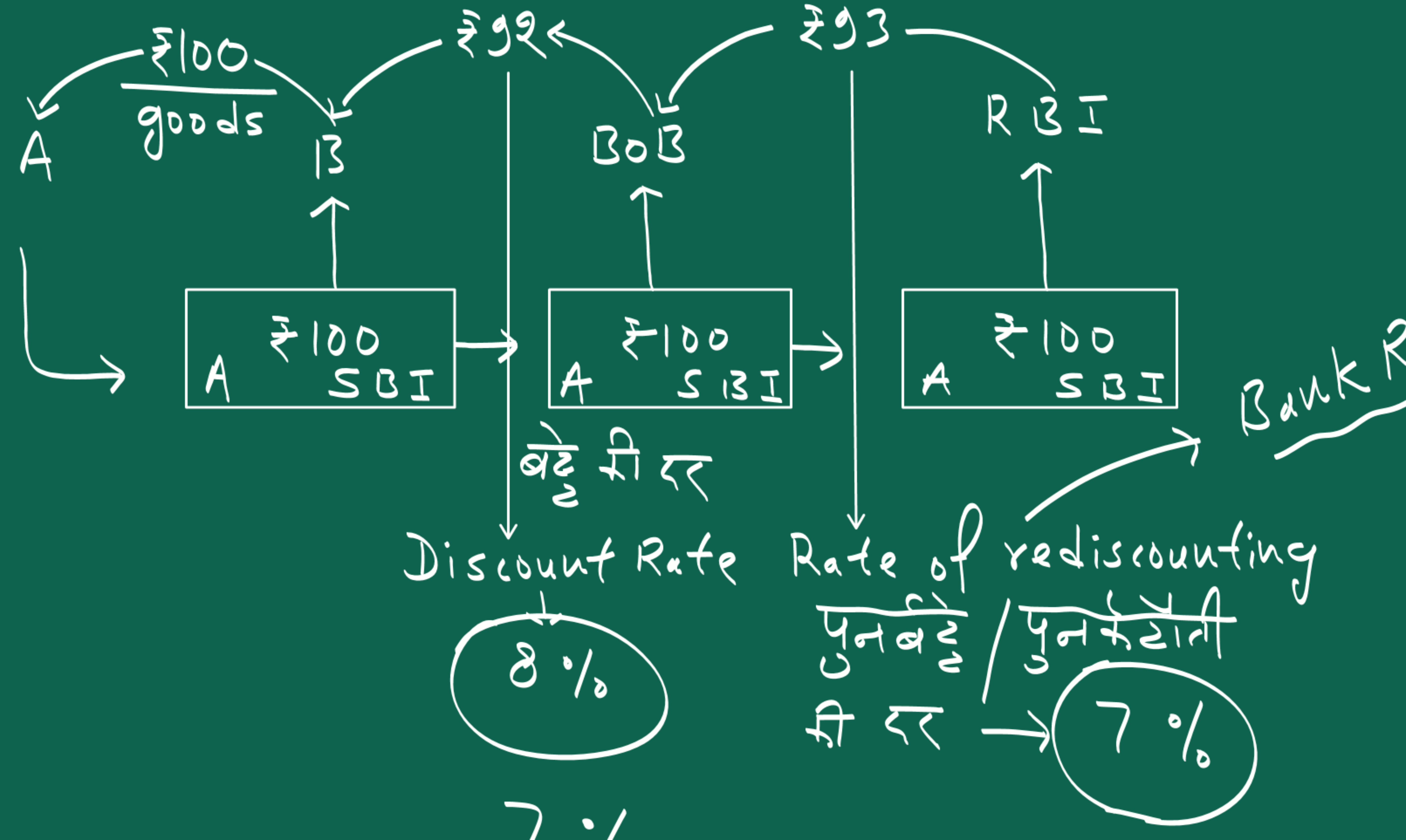
₹100
goods
A
B
₹९२
₹९३
BoB
RBI
A ₹100 SBI
A ₹100 SBI
A ₹100 SBI
बट्टे की दर
Discount Rate
8%
Rate of rediscounting
पुनर्बट्टे / पुनर्कटौती की दर
7%

Notes:

(i) The Bank rate is not considered to be effective in monetary control in India because commercial bills are not popular in India.

भारत में बैंक दर मौद्रिक नियन्त्रण की दृष्टि से प्रभावी नहीं मानी जाती है क्योंकि

is 6.75%.

मई 2011 से रिजर्व बैंक बैंक दर को MSF दर के बराबर रखने की नीति का अनुकरण कर रहा है।

वर्तमान में बैंक दर 6.75% है।

The lending rate to be charged by the RBI from the Commercial Banks.

वाणिज्यिक बैंको - से रिजर्व बैंक द्वारा वसूली जाने वाली एक ब्याज दर।

इसके अन्तर्गत, बैंक RBI से सौंपी जाने वाली सरकारी प्रतिभूतियों की पुनर्खरीद (Repurchase) के वादे के आधार पर धन उधार लेते हैं।

Under it, the comm. banks borrow from the RBI on the promise of repurchase

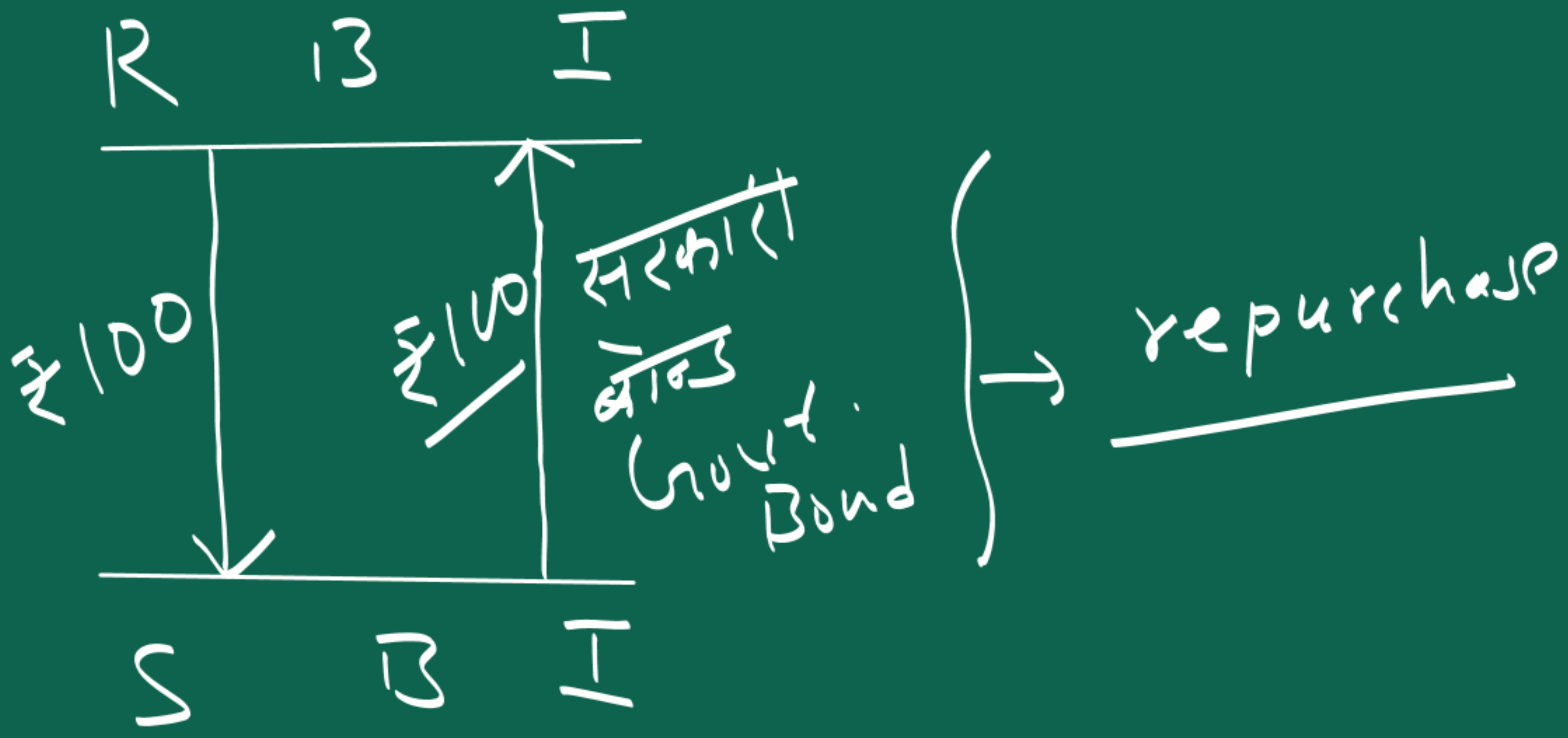

R B I
₹100
₹100
सरकारी बॉन्ड
Govt. Bond
→ repurchase
S B I

Under the repo rate, banks can borrow for the following time periods (except the case of LTROs)

रेपो दर के अन्तर्गत बैंक निम्न अवधियों के लिए उधार ले सकते हैं (LTRO के अपवाद को छोड़कर) –

(i) 1-day } Overnight Repo

(ii) 3-days
(iii) 7-days
(iv) 14-days
(v) 28-days
} Term Repo

The RBI conducts monetary transmission mechanism through the repo rate.

रिजर्व बैंक मौद्रिक प्रसारण प्रणाली का संचालन रेपो दर के माध्यम से करता है। इसे निम्न प्रकार दिखाया जा सकता है।

This can be shown as follows -

उधार की दर

Deposit Rate

जमा की दर

↓ Repo Rate

↓

↓ Lending Rate (Banks)

↓ Deposit Rate (Banks)

↓

↑ Demand for Money | Liquidity

↓

↑ Demand for Goods

↓

↑ Repo Rate

↓

↑ Lending Rate

↑ Deposit Rate

↓

↓ Demand for Money/Liquidity

↓

↓ Demand for Goods

↓

↓ Prices of Goods

मौद्रिक प्रसारण प्रणाली में केन्द्रीय बैंक ब्याज दरों में परिवर्तन करके वास्तविक/वस्तु क्षेत्र अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है।

↓

Monetary Economy	Real Economy
↓	↓
Nominal Economy	Goods-sector Economy
↓	or
Money	Real-Sector Eco.
↓	↓
Interest rate	Goods

Nominal Economy → Real-Sector Eco.

✓ (i) a textile mill produces cloth.

✓ (ii) a farmer harvests crop

(iii) a firm takes loan.

(iv) a firm issues bonds

→ Money या Finance

(ii) Presently, the repo rate is 6.5%.

वर्तमान में रेपो दर 6.5% है।

Repo Operations), the RBI provides liquidity to the banks for the long run of up to 3 years.

LTROs (Long Term Repo Operations) में रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों को 3 वर्ष तक के लिए तरलता उपलब्ध करवाई जाती है।

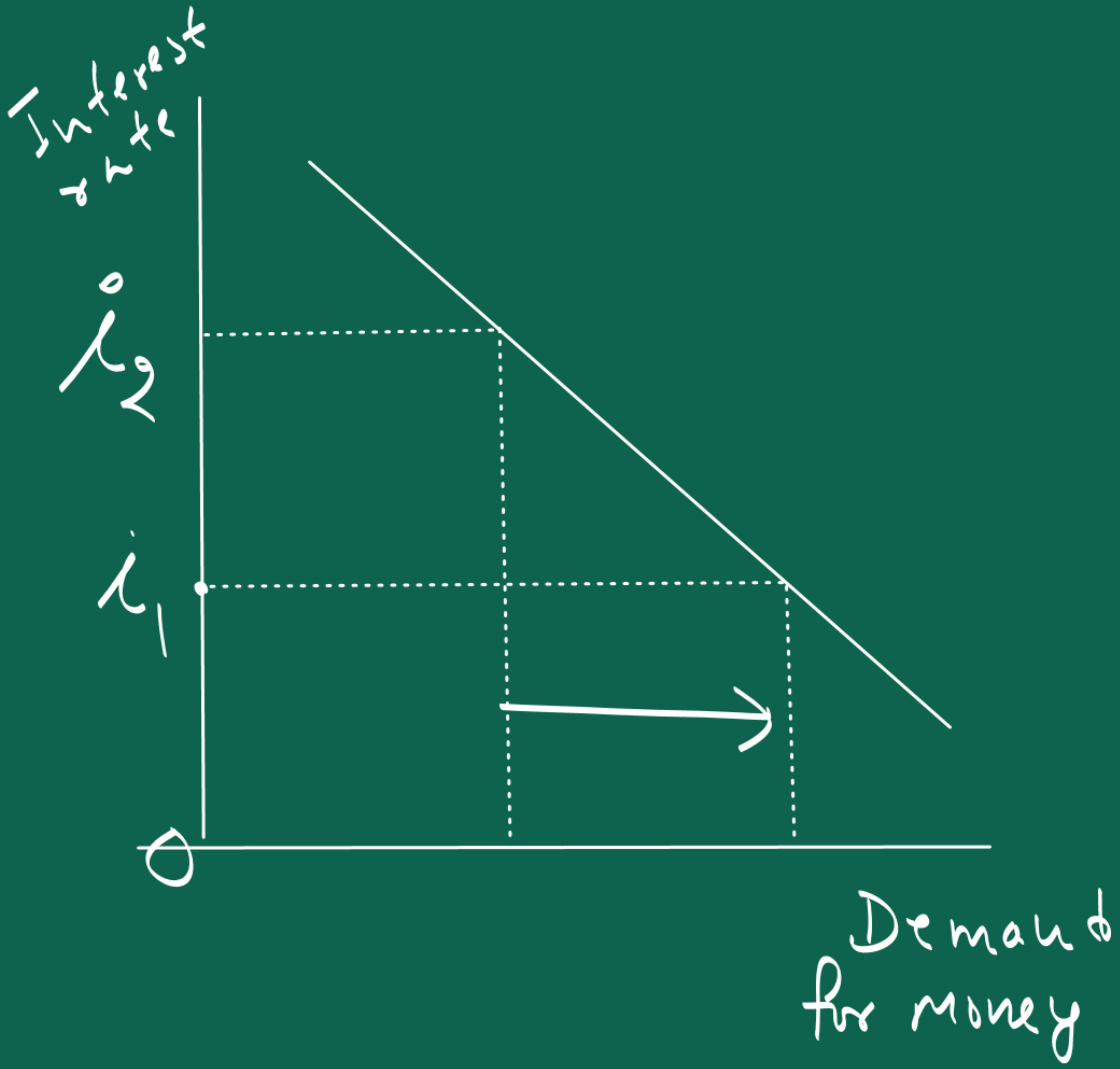

Interest rate
i_2
i_1
O
Demand for money

1%

Repo Rate

6.5%

Lending Rate
उधार की दर

10% → 9%

5.5%

→ 3%

Deposit Rate
जमा की दर

7% → 6%